तापमान
अधिकतम 32 .3 डिग्री
न्यूनतम 8 .6 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

11 मानी मांगें लागू हों और 8वें वेतन आयोग का गठन ...

12 भगत सिंह का आर्य समाज से था गहरा संबंध : किरणजीत

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 9 बजे से

बिजली कट

- सुबह 8.30 से 10.30 बजे तक
  समर गोपालपुर खुर्द, टिटौली चौक
- सुबह 11 से 5:00 बजे तक
  भिवानी स्टैंड, रेलवे रोड, यूको बैंक वाली गली, पुरानी अनाज मंडी, अग्रसे चौक, अप्रौच रोड, महाजन पड़ाव, प्रताप टॉकेज रोड
- सुबह 9 से 5 बजे तक
  शास्त्री नगर, हिसार रोड, सैनिक कॉलोनी, श्याम कॉलोनी
- सुबह 10 से 3 बजे तक सेक्टर-3

खबर संक्षेप

हरियाणा और गुजरात के राज्यपाल आज आर्य सम्मेलन में शिरकत करेंगे

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि प्रदेश के राज्यपाल

बंडारू दत्तात्रेय तथा गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत 9 मार्च को दोहपर 12 बजे स्थानीय दयानंद मठ में आयोजित होने वाले आर्य सम्मेलन में शिरकत करेंगे। दयानंद मठ में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती एवं स्थानीय आर्य समाज दयानंद मठ के 150वें स्थापना दिवस पर आर्य सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय आर्य सम्मेलन में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे तथा गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत आर्य सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

कब्जे हटवाने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

रोहतक। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने 7 वीसीएल एक्ट के केसों के तहत ग्राम पंचायत की भूमि पर अनाधिकृत कब्जे हटवाने की कार्रवाई के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मांग पर उपमंडलाधीश रोहतक, महम व सांपला को उनके अधिकार क्षेत्र में नियमानुसार तीन महीने के लिए ग्राम पंचायत से संबंधित 7 वीसीएल एक्ट के मामलों में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने की शक्तियां प्रदान करने के आदेश जारी किए है।

बाइक छीनने का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन छीनने की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोर्ट के आदेश पर आरोपी को वापिस न्यायिक हिरासत भेजा गया है।

बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय मेला संपन्न, दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

बाबा मस्तनाथ मठ केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र: नायब सैनी

लाखों श्रद्धालुओं ने किए महंत बालकनाथ के दर्शन

दंगल में पहलवानों ने दिखाया दमखम

- मुख्यमंत्री के अलावा मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, महिपाल ढांडा और राजेश नागर ने भी बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल पर मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया

रोहतक। बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में आयोजित मेले में सजा बाबा मस्तनाथ मठ ।

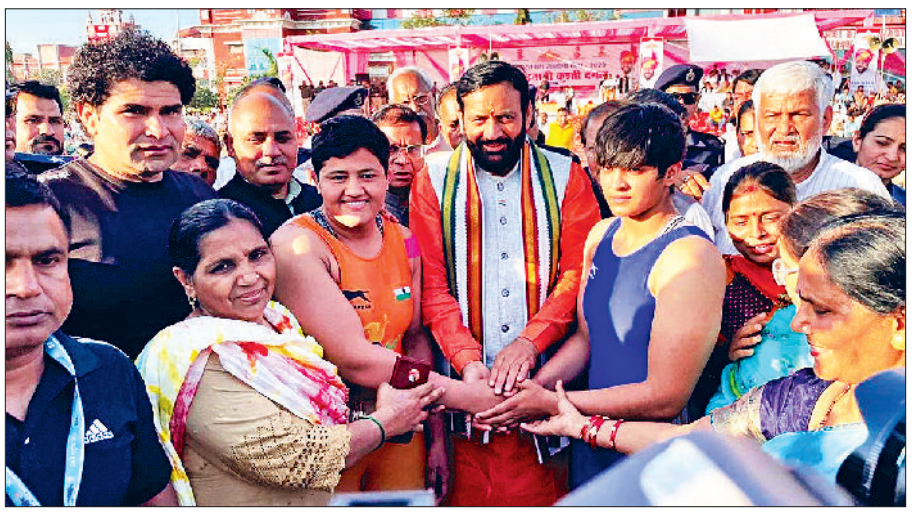

कुश्ती खिलाड़ियों का हाथ मिलवाते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय भव्य मेला शनिवार को संपन्न हो गया। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ समापन कार्यक्रम की गवाह बनी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा व मंत्री राजेश नागर ने भी बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल पर मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। अंतिम दिन, नवमी के शुभ अवसर पर परंपरागत संत पोशाक में विराजमान महंत बालकनाथ योगी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। अलसुबह से ही श्रद्धालु मठ परिसर में उमड़ने लगे, जिससे बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल पर भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कहा जा रहा है कि श्रद्धालुओं की संख्या एक लाख से भी अधिक पहुंच गई थी। दूर- दूर से आए भक्तों ने बाबा के दर्शन किए और विश्व शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

सीएम ने बेटियों को एक एक लाख रुपये दिए

दंगल में आए नामी पहलवानों ने हिस्सा लिया। कुश्तियों में प्रथम इनाम, द्वितीय व तृतीय कुश्ती बराबर रही। मेले में साधु-संतों, राजनेताओं और समाजसेवियों की उपस्थिति ने इसकी भव्यता को और अधिक बढ़ा दिया। इस वर्ष का दंगल ऐतिहासिक बन गया जब दो बेटियों ने भी कुश्ती में शानदार प्रदर्शन कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बेटियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में के रूप में एक एक लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया और कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि बाबा मस्तनाथ मठ केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र है, जिसने अनगिनत भक्तों को धर्म, सेवा और राष्ट्रप्रेम का मार्ग दिखाया है। बाबा मस्तनाथ की शिक्षाएं हमें जीवन के हर क्षेत्र में प्रेरित करती हैं। वहीं, मेले में आए दूर दराज से हजारों श्रद्धालुओं में मठ का दर्शन कर आशीर्वाद लिए और प्रसाद चढ़ाए।

रोहतक। परंपरागत संत पोशाक में विराजमान महंत बालकनाथ योगी।

रोहतक। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह देते महंत बालकनाथ योगी। फोटो : हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ मठ का गौरवशाली इतिहास

बाबा मस्तनाथ मठ का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। आठवीं शताब्दी से यह मठ धर्म, साधना और राष्ट्र प्रेम का संदेश देता आ रहा है। इतिहास साक्षी है कि इस मठ ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक सरोकारों, धर्म और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ब्रह्मलीन महंत योगी चांदनाथ जी का शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में दिया योगदान अविस्मरणीय है। मेले में धार्मिक आयोजन के साथ-साथ खरीदारी और मनोरंजन का भी विशेष प्रबंध था। श्रद्धालुओं ने विभिन्न दुकानों से जमकर खरीदारी की, वहीं झूलों और मनोरंजन के अन्य साधनों का भी खूब आनंद लिया। हर साल इस मेले में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक हो जाता है। इस वर्ष भी हरियाणा पुलिस की सैकड़ों टुकड़ियां गश्त कर रही थीं ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के चलते श्रद्धालु बिल्कुल निश्चिंत होकर मेले का आनंद उठा सके।

मेले में विभिन्न राजनेता, संत और समाजसेवी शामिल हुए

तीन दिवसीय मेले के समापन अवसर पर विभिन्न राजनेता, संत और समाजसेवी भी इस भव्य आयोजन में शामिल हुए। जिसमें स्वामी कपिल पुरी महाराज, स्वामी परमानंद महाराज, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, नारनौल विधायक ओम प्रकाश यादव, नेशनल ओबीसी आयोग अध्यक्ष हंसराज अहीर, पूर्व सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल, बाढड़ा विधायक उमेद सिंह, कठूमर विधायक रमेश खींची, ओल्ड राव होटल चेयरमैन लाल सिंह यादव के अलावा विधायक अनिल यादव (कोसली), विधायक सीताराम यादव (अटेली), विधायक कंवर सिंह यादव (महेंद्रगढ़), हरियाणा के मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, विधायक पवन खरखोदा, विधायक निखिल मदान (सोनीपत), पूर्व विधायक रमेश कौशिक व मीरपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो जेपी यादव ने भी दर्शन किए। इसके अलावा देश के विभिन्न कोनों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल पर मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। तीन दिन तक चले इस भव्य मेले ने एक बार फिर धार्मिक श्रद्धा, आध्यात्मिकता, सामाजिक सेवा और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। बाबा मस्तनाथ मठ की यह परंपरा युगों-युगों तक जीवित रहेगी और हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं को अपनी आस्था से जोड़ती है।

विजयलक्ष्मी के निधन पर शोक प्रकट किया

जीवन के साथ मृत्यु भी अटल सत्य: विस अध्यक्ष

रोहतक। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण शनिवार को सेक्टर तीन स्थित कैप्टन चतर सिंह हुड्डा के मकान पर पहुंचे और चतर सिंह की धर्मपत्नी सेवानिवृत्त शिक्षिका विजयलक्ष्मी के निधन पर शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि विजय लक्ष्मी धार्मिक विचारों की व्यक्तित्व थी। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कार दिए। उन्होंने कहा कि जन्म के साथ मृत्यु भी अटल सत्य है, लेकिन इस दुनिया से कब किसको जाना है, यह किसी को पता नहीं है। उन्होंने कहा मौत को हमें स्वीकार करना पड़ता है। उल्लेखनीय है विजय लक्ष्मी का 7 मार्च को निधन हो गया था। वे करीब 87 वर्ष की थी। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई हैं।

23 नवंबर 2024 को फोन कॉल आई थी

जॉब देने के बहाने 1.30 लाख की ठगी के केस में पांचवा आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस ने 1 लाख 30 हजार रुपये की ठगी की वारदात में पांचवे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। शहर थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि रोहतक निवासी शिवांग की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 23 नवंबर 2024 को शिवांग के पास एक फोन कॉल आया जिसने जॉब देने के नाम पर शाइन कंपनी नाम की ऐप डाउनलोड करने बारे कहा। शिवांग के ऐप डाउनलोड करते ही शिवांग के फोन का डाटा दूसरे युवक के पास चला गया। उन्होंने शिवांग को कहा कि फीस के नाम पर क्रेडिट कार्ड से 10 रुपये की पेयमेंट करने को कहा। शिवांग ने 10 रुपये की पेयमेंट करने के लिए क्रेडिट कार्ड की जानकारी डाली तो शिवांग के क्रेडिट कार्ड से अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 90 हजार निकाल लिये। खाते से नेट बैंकिंग से 40 हजार रुपया निकाल लिए।

कार्यक्रम | नर्सिंग कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम में बोले वीसी डॉ. एचके अग्रवाल

अपने सपनों को ऊंची उड़ान पर लेकर जाएं महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल।

इसमें कोई दो राय नहीं की महिलाएं हमसे ज्यादा कार्य करती हैं क्योंकि वे अपने ड्यूटी भी करती हैं, घर भी संभालती हैं और इसके साथ ही बच्चों की भी देखभाल करती हैं। इसीलिए हमारे संस्कारों, संस्कृति में भी मातृशक्ति को ऊंचा दर्जा दिया गया है। एक कहावत है कि हर कामयाब इंसान के पीछे एक महिला का हाथ होता है वह चाहे पत्नी के रूप में हो , मां के रूप में हो या बहन- बेटी के रूप में भी हो सकता है। आज वे जो इस कामयाबी के मुकाम पर पहुंचे हैं उसके पीछे उनकी माता के संस्कारों और उनकी प्रेरणा का सबसे बड़ा हाथ है। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल का। वे शनिवार को नर्सिंग कॉलेज में मनाए गए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की दीप प्रज्वलन के साथ शुरुआत करते हुए कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम /"सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता, सशक्तिकरण", जो लैंगिक समानता को जल्द से जल्द प्राप्त करने की आवश्यकता को दर्शाती है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सशक्तिकरण और समानता के लिए लड़ना है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आएं

कुलपति डॉक्टर एचके अग्रवाल ने कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार का प्रयास है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि महिलाएं सभी क्षेत्र में अपनी अग्रणीय भूमिका निभाई। उन्होंने हमेशा महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण पर जोर दिया है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वह चाहते हैं की बेटियां अपने सपनों को ऊंची उड़ान पर ले जाएं और समाज सेवा के लिए काम करें। उन्होंने कई महिलाओं के उदाहरण दिए गए हैं, जिन्होंने देश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। हमें उम्मीद है कि यह दिवस महिलाओं के सशक्तिकरण और समानता के लिए एक नई दिशा दिखाएगा। सबको बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

समानता के लिए लड़ने का महत्वपूर्ण अवसर

नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रोफेसर सुनीता ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है, जो महिलाओं के अधिकारों, सशक्तिकरण और समानता के लिए लड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिवस महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता देने, उनके संघर्षों को स्वीकार करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए मनाया जाता है।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

●

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

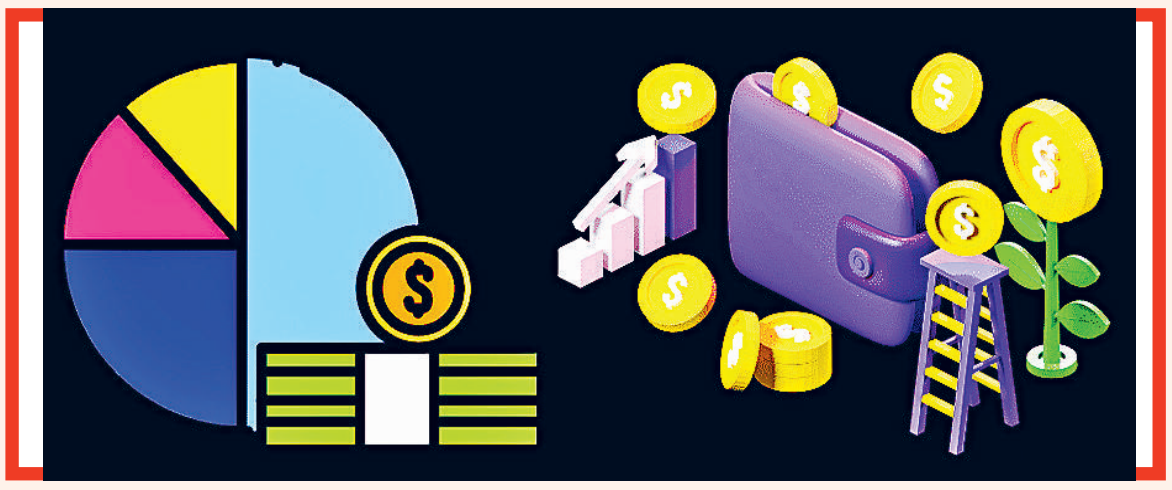

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नींव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत
विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जरूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

महम। एनएसएस कैंप में पौधा रोपित करके पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ करते डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा व एनएसएस स्वयंसेवक।

स्वयंसेवकों को बताए स्वस्थ रहने के गुर

महम। राजकीय महाविद्यालय महम के एनएसएस स्वयंसेवकों की लड़के और लड़कियों की दोनों यूनिटों द्वारा खेड़ी महम गांव के शिवानंद धर्मार्थ औषधालय में सात दिवसीय कैंप लगाया गया है। पांचवें दिन के एनएसएस कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस इंचार्ज मनीषा हुड्डा और फूल कुमार ने किया। सभी वॉलंटियर्स में ऊर्जा का संचार करने के लिए सबसे पहले पीटी करवाई गई। उसके उपरांत स्वयंसेवकों ने आश्रम में निर्मित मठ की सफाई की।

न्यायिक परिसर में लोक अदालत आयोजित

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान की देखरेख में न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 25985 मुकदमे रखे गए, जिनमें से 24013 मुकदमों का निपटारा किया गया, जिसमें कुल 46757686 रुपये का भुगतान कोर्ट में आए।

विद्यार्थी शैक्षणिक यात्रा पर कुल्लू-मनाली रवाना

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के विद्यार्थियों का दल पांच दिवसीय शैक्षणिक यात्रा पर कुल्लू-मनाली के लिए रवाना हुआ। प्रो. एससी मलिक ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य शैक्षणिक समृद्धि के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और भौगोलिक महत्व को जानने का अवसर प्रदान करना है।

रोडवेज विभाग का निजीकरण करना चाहती है सरकार: साझा मोर्चा

मानी मांगें लागू हों और 8वें वेतन आयोग का गठन करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा की राज्य स्तरीय कन्वेंशन शनिवार को हुई। सभी दसों यूनियनो के राज्य प्रधानों ने संयुक्त रूप से अध्यक्षता की व संचालन सभी राज्य महासचिवों ने किया। सांझा मोर्चा नेताओं ने कन्वेंशन में आन्दोलन कि घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा में चरणबद्ध तरीके से 24-24 घंटे की भूख हड़ताल 3 व 4 अप्रैल, 8 व 9 अप्रैल, 16 व 17 अप्रैल, 21 व 22 अप्रैल, 24 व 25 अप्रैल, 5 और 6 मई और 12 व 13 मई को डिपो वाईज होगी। इसके बाद भी सरकार अगर नहीं जागी तो 8 जून को परिवहन मंत्री के आवास अंबाला में न्याय मार्च किया जाएगा। जिसमें पूरे हरियाणा से भारी संख्या में कर्मचारी पहुंचेंगे। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि इलैक्ट्रिक बसें 62 रुपए 37 पैसे पर किलोमीटर के हिसाब से चलने का निर्णय व 362 रूटों पर 3648 पर प्राइवेट परमिटों के फैसले को रद्द कर विभाग में 10000 नई बसें शामिल की जाएं। उन्होंने कहा कि एक इलेक्ट्रॉनिक बस के बदले साधारण 6 बसें आती हैं, जो पूरे हरियाणा में सभी डिपो में 50-50 बसें लेने का जो निर्णय है अगर उसकी जगह पर साधारण 300/300 बसें डिपो के बेड़े में शामिल हों तो प्रदेश में 7200 से अधिक बसें उपलब्ध होती। एक बस पर 6 को रोजगार मिलता है। इस प्रकार सरकारी बसों पर 43200 को रोजगार मिलता और जनता को बेहतर सेवा मिलती। अगर इलेक्ट्रिक बसें ही सरकार चलाना चाहती है तो सरकार खुद अपनी बसें खरीदें और रोडवेज के बेड़े में शामिल करें। और इस निजीकरण की नीतियों को बंद करें। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के मांग मुद्दों पर जल्द से जल्द बातचीत के माध्यम से निपटारा किया जाए। अगर सरकार ध्यान नहीं देती है तो रोडवेज कर्मचारी आंदोलन को तेज करने पर मजबूर होंगे। मीटिंग में सांझा मोर्चा के नेता नरेंद्र दिनोद, जयवीर घनघस, मायाराम, जय भगवान कादियान, अशोक खोखर, संजीव कुमार, नीरज शर्मा, अमित, वीरेंद्र सिंह, सुमेर सिवाच, जगदीप लाठर आदि मौजूद रहे।

रोहतक। राज्य स्तरीय कन्वेंशन में मौजूद हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

मानी मांगों को लागू किया जाए

कर्मचारी नेताओं बताया कि पूर्व की सरकार व पूर्व मंत्री से हुई बातचीत के समझौते में जो मांगे मानी गई थी उनको तुरंत लागू करें अन्यथा रोडवेज के कर्मचारी आंदोलन को तेज किया जाएगा, 3 अप्रैल से सभी डिपो पर 24-24 घंटे की भूख हड़ताल की जाएगी। भूख हड़ताल की समाप्ति पर परिवहन मंत्री व परिवहन आयुक्त को आंदोलन का नोटिस व मांग पत्र भेजा जाएगा। अगर उसके बाद भी सरकार बातचीत के माध्यम से समस्याओं का समाधान नहीं करती तो 8 जून को रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा परिवहन मंत्री के आवास पर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा।

सरकारी बसें शामिल की जाएं

सांझा मोर्चा ने हरियाणा सरकार और परिवहन मंत्री से अपील की कि रोडवेज के बेड़े में प्राइवेट किलोमीटर स्कीम की बसे नहीं लाकर सरकारी बसें शामिल करें

33 प्रतिशत आरक्षण मिले

8 मार्च महिला दिवस के मौके पर महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से मांग की कि नौकरियों में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि हरियाणा रोडवेज में सभी कैटेगिरीयों के वेतनमान स्वतंत्र आयोग का गठन करते हुए चालक परिचालक लिपिक और कर्मशाला के कर्मचारियों की वेतन विसंगतियां दूर की जाएं, बकाया बोनस का भुगतान किया जाए, खाली पदों पर प्रमोशन की जाए, एचकेआरएनएल के कर्मचारियों और 2016 के चालकों सहित सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए, देह अवकाश में की गई कटौती को बहाल किया जाए, बकाया रात्रि ठहराव का भुगतान किया जाए। हिट एंड रन जैसे कानून को रद किया जाए।

हरियाणवी व पंजाबी डांस की प्रस्तुतियों से मोहा मन

- महाराजा अग्रसैन पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महाराजा अग्रसैन पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांपला में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें खंड सांपला की शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा मुख्य अतिथि रही।

विद्यालय पहुंचने पर पुष्प मालाओं से उनका स्वागत किया गया। मंच संचालन इंग्लिश प्रवक्ता गीता द्वारा किया गया। इस दौरान छात्राओं द्वारा योगा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर शानदार प्रस्तुतियां दी। छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुत किए, जिसमें भारतीय संस्कृति एवं नारी शक्ति को दर्शाया गया। हरियाणवी व पंजाबी डांस की प्रस्तुतियों ने अभिभावकों का मन मोह लिया। तालियां बजाकर छात्राओं का उत्साह बढ़ाया गया। मनोविज्ञान प्रवक्ता पूनम एवं गणित प्रवक्ता पूनम ने कार्यक्रम के सफल संचालन में अहम भूमिका निभाई। ब्लॉक व जिला स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय प्राचार्य भारती शर्मा ने छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। सुमन हुड्डा ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की एवं भविष्य में हर गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

नेशनल वूमन डे पर सैनी बीएड कॉलेज में परिचर्चा संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अंतरराष्ट्रीय वूमैन डे पर शनिवार को सैनी गर्ल्स बीएड कॉलेज में स्टाफ के बीच महिलाओं के अधिकार और कर्त्तव्य विषय को लेकर एक परिचर्चा हुई। प्रिंसिपल ने स्टाफ को वूमन डे की बधाई व शुभकामनाएं दी और कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ उन्हें अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा। सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमन ने कहा कि महिलाएं अगर अपने कार्य क्षेत्र में जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का पालन करें तो समाज को एक नई दिशा मिल सकती है। डॉ. रेखा रानी के विचार

संविधान महिलाओं को हर क्षेत्र में बढ़ने के लिए करता है प्रेरित

में आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ कर काम कर रही है। संविधान ने भी महिला सशक्तिकरण से महिलाओं को उनकी पूरी क्षमता से हर क्षेत्र तक पहुंचने और समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाना है। प्रोफेसर मीनू ने कहां कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से आज महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना ही वुमन डे का सही मायने में अर्थ है ताकि वे अपने जीवन को बेहतर बना सकें। इस दौरान सहायक प्रोफेसर सोनिया सिंह, डॉ. शोभा सैनी, पूजा सैनी ने भी परिचर्चा में भाग लिया और अपने विचार रखें।

महिला दिवस पर कार्यक्रम में बिखेरी प्रतिभाकी छटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि इसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिष्ठित महिलाओं एवं विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने अनुभवों को सांझा किया और छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस विशेष कार्यक्रम का

प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं निभा रहीं हैं अग्रणी भूमिका, बढ़ा रहीं देश का मान : सौम्या ग्रोवर

आरंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि आज का युग महिलाओं के योगदान के बिना अधूरा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का यह आयोजन हमें विभिन्न देशों की संस्कृतियों से अवगत कराने के साथ-साथ महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को समझने का अवसर भी प्रदान करता है।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व से अवगत कराना था। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों की माताएं और शिक्षकों के साथ-साथ सामाजिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएं भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर की पुत्रवधु सौम्या रही। इन्होंने बताया कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान हो,राजनीति हो या खेल हर जगह महिलाओं ने अपनी काबिलियत साबित की है। वैश्विक परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

किशोरी कॉलेज की छात्राओं ने सॉफ्टबॉल में पाया प्रथम स्थान

- सॉफ्टबॉल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गत सात मार्च को महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में इंटर कॉलेज महिला टूर्नामेंट करवाई गई। जिसमें महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय की टीम ने सभी पर जीत हासिल करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा गोल्ड मेडल जीता। शनिवार को महाविद्यालय की टीम के महाविद्यालय में पहुंचने पर प्राचार्या तथा अन्य प्राध्यापिकाओं ने टीम का स्वागत किया तथा उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। प्राचार्य डॉ. रश्मि लोहचब ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी तथा जीवन में अच्छे विचारों और अनुशासन के साथ अपने खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। टीम की इंचार्ज डॉक्टर कुसुम लता ने बताया कि इस टीम में महाविद्यालय की तरफ से 15 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें रुचिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पिचचर की भूमिका निभाई और अपनी टीम को जीत दिलाने में सहयोग किया। इसी के साथ ही कैचर के रूप में आंचल ने भी सराहनीय योगदान दिया। तमन्ना, मीनू ,तनु तथा चेतना ने इनफील्ड में रहकर अपनी प्रतिभा दिखाई तथा प्रियंका कोमल व भारती ने आउटर फील्ड को संभाला ओर अपनी टीम को जीत दिलाने में सहयोग किया।

वीबी कॉलेज में मनाया महिला दिवस

रोहतक। वीबी कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष में महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और उपलब्धियों को मनाने के लिए रैली निकाली गई। रैली के दौरान नारी सशक्तिकरण के नारे लगाए गए। अध्यक्ष सुदर्शन मलिक व डायरेक्टर संतोष मलिक ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्राचार्या तृष्णा वर्मा व स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे।

लक्ष्मीबाई और कल्पना चावला महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत

- ग्राम पंचायत मकडौली कलां में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ग्राम पंचायत मकडौली कलां में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। ग्राम पंचायत की सरपंच सरिता ने कहा कि विश्व में भारत की नारी की शक्ति सबसे मजबूत है और हर क्षेत्र में नए मुकाम हासिल कर रही है। महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं के साथ अपने विचार साझा किये। ग्राम सचिव अनु ने संदेश दिया कि रानी लक्ष्मीबाई और कल्पना चावला जैसे नारी शक्ति हमारे प्रेरणा स्रोत है। हम हर क्षेत्र में खुद को बेहतर साबित कर रही हैं। केंद्र और हरियाणा सरकार ने नारी शक्ति उत्थान के लिए अनेक बड़े फैसले लिए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की खंड समन्वयक निशा नांदल ने भी अपने विचार रखे।

भैणीचंद्रपाल गांव के लोगों को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

70 लाख रुपये की लागत से बनेगा खेतों का पक्का रास्ता

महम। भैणीचंद्रपाल गांव में खेतों के पक्के रास्ते के निर्माण कार्य का शिलान्यास करते राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा। फोटो: हरिभूमि

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा ने भैणी चंद्रपाल गांव में खेतों के पक्के रास्ते के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। खेतों के इस रास्ते पर 70 लाख रुपए खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि गांव सैमाण में 97 लाख की लागत से फिरनी का निर्माण और 54 लाख रुपये की लागत से खेतों के रास्ते का निर्माण कार्य होना है। राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगडा ने कहा की महम हलका विकास कार्यो में सबसे अग्रणी हल्का होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी पूरे हरियाणा में समान विकास करवा रहे हैं और महम में पहले भी करोड़ों रुपये के विकास परियोजनाएं चल रही हैं। सांसद जांगडा ने कहा की मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इस क्षेत्र के लिए उन्हें विशेष जिम्मेदारी दी है इसलिए महम हल्के के विकास कार्यों में कोई कसर नहीं रहने दी जाएगी। सांसद ने ग्रामीणों को कहा कि इस बात को विपक्ष को समझ लेना चाहिए कि भाजपा को जनता ने अपना पूर्ण आशीर्वाद दे दिया है अब भाजपा सरकार कहीं नहीं जाने वाली।

सांसद रामचंद्र जांगडा ने ग्रामीणों को किया संबोधित

सांसद रामचंद्र जांगडा ने गांव सैमाण में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला पंचायत को संबोधित किया। कहा कि यह सदी नारी की सदी है। प्रधानमन्त्री मोदी लगातार महिलाओं के लिए नई नई योजना ले कर आ रहे हैं। लखपति दीदी और ड्रोन दीदी समेत अनेक योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कदम उठा रहे हैं। इस अवसर भाजपा नेता महंत सतीश दास, ब्लॉक समिति महम के चेयरमैन नवनीत राठी, सरपंच उर्मिला, शिवराज सरपंच, अशोक सिवाच, संदीप चौहान, नरेश बड़ाभैण व बसंत गिरधर समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

टैलेंट ट्री स्कूल में हुए कार्यक्रम में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को किया सम्मानित

महम। महिला दिवस के मौके पर ब्रह्मकुमारी बहनों को सम्मानित करते टैलेंट ट्री स्कूल के डायरेक्टर व प्रिंसिपल। फोटो: हरिभूमि

दिल्ली-हिसार हाइवे स्थित टैलेंट ट्री स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में महम शहर से विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिन महिलाओं ने प्रशासन, चिकित्सा, शिक्षा, व्यापार, कला, सामाजिक सेवा और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका प्रधान भारती पंवार, शिक्षाविद डॉ. मंजू गुप्ता, गाइनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर उपासना, बिजनेस वूमन रजनी, ब्रह्मकुमारी बहनें चेतना व सुमन को सम्मानित किया गया। महिलाओं ने अपने अपने क्षेत्र के बारे में अपने अनुभव सांझा किए और विद्यार्थियों को परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। प्राध्यापक डॉ. संदीप राजन ने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ हैं। उनके सशक्तिकरण के बिना समृद्ध और न्यायसंगत समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

कवि सम्मेलन | वैश्य कॉलेज में हुआ होली के रंग हंसी ठहाकों के संग हास्य कवि सम्मेलन

हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी कविताओं से स्त्रोताओं को किया लोटपोट

ताली और ठहाकों ने कवियों अंदर भरा उत्साह तो एक से बढ़कर एक कवितओं से किया सराबोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

होली के उपलक्ष्य पर वैश्य कॉलेज में होली के रंग हंसी ठठा के संग हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें कवियों में हास्य की रचनाओं से हंसी से लौटपौट किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के महासचिव राजेंद्र बंसल, ईश्वर चंद्र गुप्ता, अरुण आर्य, नितिन तायल, सदस्य सुनील जैन गोलू, प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता एवं आमंत्रित कलाकारों ने मां सरस्वती के समक्ष दी प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में गजल गायिका रजनी अवनी ने मां सरस्वती की वंदना ओ मां शारदे मेरी मैं करूं वंदना तेरी प्रस्तुत की। उसके पश्चात प्रसिद्ध हास्य कवि मास्टर महेंद्र ने अपने हास्य व्यंग्य से को श्रोताओं को गुदगुदाया। हास्य रस के जाने-माने कवि दीपक सैनी ने विभिन्न राजनेताओं की मिमिक्री कर सभी श्रोताओं का दिल जीत लिया। प्रसिद्ध गीतकार पंडित वीरेंद्र मधुर ने अपनी मधुर वाणी में बहुत सुंदर गीत प्रस्तुत किया जिसमें आया बसंत तो खिल गई कलियां यह है रंग बिरंगी दुनिया वह सुमन भी क्या जो आकर्षित नहीं करता आदि गीत प्रस्तुत किए। प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने बांसुरी की मधुर तान सुना कर सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सभी कवियों की प्रशंसा की

मुख्यमंत्री के ओएसडी विशेष प्रचार गजेंद्र फोगाट ने सभी कवियों की प्रशंसा करते हुए सबको होली की शुभकामनाएं दी। संस्था के महासचिव राजेंद्र बंसल ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी और कलाकारों का धन्यवाद किया। मंच का कुशलता पूर्वक संचालन डॉ पुरुषोत्तम बंसल एवं डॉ उमेष मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. फूल सिंह यादव, डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ. दिनेश रानी बंसल, डॉ. राजल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

नारी शक्ति का हो सम्मान : अंकित ओहल्याण

सांपला। समाज सेवी पार्षद अंकित ओहल्याण ने कहा कि शक्तिशाली राष्ट्रीय निर्माण में नारी का बहुत बड़ा सहयोग है। उनका हर मुकाम पर सम्मान होना बहुत जरूरी है। वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है वह शिक्षा खेल वैज्ञानिक डॉक्टर इंजीनियर हर क्षेत्र में विदेशों में भी भारत का नाम रोशन कर रही हैं। वैसे अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को एक कार्यक्रम में अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने श्रेष्ठ महिलाओं को सम्मानित भी किया।

स्वामी नितानंद पब्लिक स्कूल में गोष्ठी आज

रोहतक। सामाजिक सांस्कृतिक संस्था सप्तरंग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 9 मार्च रविवार को गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिला समता, पार किये पड़ाव और बची हुई चुनौतियां विषय पर चर्चा होगी। दिल्ली रोड स्थित स्वामी नितानंद पब्लिक स्कूल में 11 बजे गोष्ठी का आयोजन होगा। कार्यक्रम का संयोजन मुकेश यादव द्वारा किया जाएगा। सप्तरंग के सचिव अविनाश सैनी ने बताया कि महिलाओं ने अपनी मेहनत और काबलियत से नित नई ऊंचाइयां हासिल की हैं तथा महिलाओं के बारे में समाज के नज़रिए में भी काफ़ी बदलाव आया है। लेकिन यह भी सच है कि अनेक उपलब्धियों के बावजूद अभी भी महिलाएं बराबरी के अधिकार के लिए संघर्षरत हैं क्योंकि महिला होने के नाते उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

महिला सशक्तीकरण विषय पर निकाली रैली

रोहतक। महिलाएं जीवन का सार हैं, उनके बिना यह जीवन बेकार है। इसी बात हो चरितार्थ करते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में शनिवार को राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता रैली व नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। प्राचार्या इंदु सपरा ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी और समाज में महिलाओं की सशक्त भूमिका का वर्णन किया।

महिला नशा तस्कर 8.67 ग्राम स्मैक सहित काबू

रोहतक। हरियाणा प्रदेश को नशा मुक्त करने के हरियाणा सरकार के अभियान को साकार करने में हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो लगातार नशा तस्करों पर शिकंजा कस रहा है। इसी कड़ी में सफलता प्राप्त करते हुए ब्यूरो की रोहतक यूनिट ने महम एरिया से एक महिला नशा तस्कर को 8 ग्राम 67 मिलीग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया।
ब्यूरो प्रमुख-महानिदेशक ओपी सिंह के दिशा निर्देशों पर पूरे प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। हरियाणा एनसीबी रोहतक यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक सुखपाल सिंह ने बताया कि सूचना के आधार परपर कार्रवाई की गई।

अंतरराष्ट्रीय आर्य विद्वत् महासम्मेलन का दूसरा दिन

भगत सिंह का आर्य समाज से था गहरा संबंध : किरणजीत

भगत सिंह की प्रेरणा और आर्य समाज की भूमिका पर किया विमर्श

- क्रांतिकारी भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे
- क्रांतिकारियों के योगदान को रेखांकित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटोली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्य विद्वत महासम्मेलन के दूसरे दिन आर्य समाज की विचारधारा, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका तथा आधुनिक समय में इसकी प्रासंगिकता पर गहन विचार-विमर्श हुआ। क्रांतिकारी भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि भगत सिंह का आर्य समाज से गहरा संबंध था और उन्होंने स्वामी दयानंद के विचारों से प्रेरणा लेकर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने आर्य समाज से प्रभावित अन्य क्रांतिकारियों को भी याद किया और उनके योगदान को रेखांकित किया।

रोहतक। अंतरराष्ट्रीय आर्य विद्वत महासम्मेलन को सम्बोधित करते स्वामी आर्यवेश व महासम्मेलन में मौजूद आर्य समाज।

विश्व में आर्य समाज का प्रभाव

महासम्मेलन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता ठाकुर विक्रम सिंह ने की। अमेरिका से आए विद्वान रमेश गुप्ता ने विश्वभर में आर्य समाज के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान समय में भी इसकी शिक्षाएं प्रासंगिक हैं और समाज सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। दक्षिण अफ्रीका से पहुंची पंडिता विजय लक्ष्मी ने डरबन में संचालित महिला आर्य समाज की गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि वहां महिला सशक्तिकरण तथा शिक्षा के क्षेत्र में आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस सत्र का संयोजन विद्वान रामपाल शास्त्री ने किया।

संभावित प्रभाव और भविष्य की दिशा

इस महासम्मेलन में देश-विदेश से आए विद्वानों ने आर्य समाज की शिक्षाओं को आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत किया और इसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभावों पर चर्चा की। विद्वानों ने एकमत होकर यह संकल्प लिया कि आर्य समाज के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे और इसे शिक्षा, नारी सशक्तिकरण तथा सामाजिक सुधार के माध्यम से और अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा।

रोहतक। क्रांतिकारी भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह को सम्मानित करते स्वामी आर्यवेश ।

आर्य समाज के प्रचार-प्रसार का संकल्प

सत्रावसान के अवसर पर बोलते हुए स्वामी आर्यवेश ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन के माध्यम से आर्य समाज के प्रचार-प्रसार को और अधिक गति मिलेगी तथा समाज के सभी वर्गों तक इसके संदेश को पहुंचाया जाएगा। राष्ट्रीय महासचिव, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद, स्वामी आदित्यवेश ने कहा कि इस आयोजन से न केवल आर्य समाज की विचारधारा को मजबूती मिलेगी, बल्कि यह समाज सुधार और आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग को भी प्रशस्त करेगा।

मनुस्मृति व वेद भाष्य पर विद्वानों के विचार

महासम्मेलन के दूसरे सत्र में पूर्व कुलपति डॉ. सुरेंद्र कुमार ने मनुस्मृति एवं आर्य समाज विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने मनुस्मृति की मौलिक शिक्षाओं और उसकी समाज सुधारक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र अलंकार ने स्वामी दयानंद के वेद भाष्यों की ग्राह्यता एवं वैज्ञानिकता विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि स्वामी दयानंद के वेद भाष्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लिखे गए हैं और आधुनिक समय में भी प्रासंगिक हैं।

महम। क्रिकेट खेलों का शुभारंभ करते शिक्षाविद् वीरमती बामल, डॉ. प्रदीप भारद्वाज व अन्य।

सहीराम स्कूल में जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिता शुभम ने जीता मैन ऑफ द मैच का खिताब

महम। दा रॉयल ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा संचालित सहीराम स्कूल में जूनियर वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई। एक टीम को इंडिया और दूसरी को न्यूजीलैंड की टीम करार दिया गया। दोनों टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट मुकाबला हुआ। न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड की टीम ने अपने निर्धारित 7 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 49 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में भारत की टीम ने मात्र पांच ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 50 रन बनाकर अपनी टीम को चैंपियन बना दिया। इस मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज शुभम गिल अपनी विस्फोटक पारी के कारण मैन ऑफ द मैच रहे। एक अन्य मैच में ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका के मध्य एक रोमांचक मुकाबला हुआ। जिसमें आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका पर छह रन से विजय प्राप्त की। प्रतियोगिता के अंत में स्कूल निदेशक डॉ. प्रदीप भारद्वाज और वीरमती बामल ने विजेता टीमों को बधाई दी। विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रदीप भारद्वाज ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास सद्भावना व सहयोग की भावना जागृत होती है तथा बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। अतः विद्यार्थियों को खेलों के प्रति भी रुचि रखनी चाहिए।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में मनाया महिला दिवस

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने महिलाओं के अधिकारों, उनके सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इस अवसर पर कई मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें तम्बोला, म्यूजिकल चेयर और रैंप वॉक शामिल रहे। इन खेलों में शिक्षिकाओं ने भरपूर उत्साह के साथ भाग लिया। रैंप वॉक आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। खेलों में विजेता शिक्षिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों का अहम योगदान रहा।

ट्रिपल मर्डर के मामले में दो आरोपी काबू

बलियाणा मोड पर स्थित शराब ठेके पर दिया था वारदात को अंजाम

- आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया
- गोली लगने से पांच घायल, जिसमें ने तीन की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

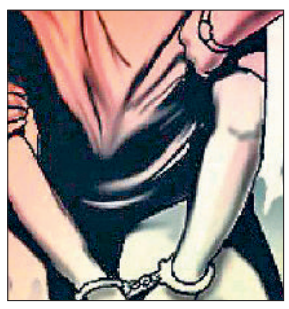

पुलिस ने सोनीपत रोड बलियाणा मोड पर स्थित शराब ठेके पर हुए ट्रिपल मर्डल की वारदात में दो आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर हासिल कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि 20 सितंबर 2024 को पुलिस को सूचना मिली कि रोहतक सोनीपत रोड पर बलियाणा मोड के पास स्थित शराब ठेके पर गोली चली है। गोली लगने से घायल हुए पांच युवकों को ईलाज के पीजीआईएमएस भर्ती करवाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। डॉक्टरों की टीम द्वारा तीन युवकों को मृत घोषित किया गया। मृत युवकों की पहचान जयदीप निवासी बोहर, विनय निवासी बोहर व ठेकेदार अमित उर्फ मोनू निवासी बोहर के रुप में हुई। सेल्समैन अनुज की शिकायत के आधार पर थाना आईएमटी में केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि अनुज, अमित उर्फ मोनू के शराब के ठेके पर करीब 5 साल से सैल्समैन का काम करता है। 19 सितंबर को अनुज अपनी सैल्समैन की सीट पर बैठा हुआ था। ठेकेदार अमित उर्फ मोनू, जयदीप, मनोज निवासी आर्य नगर, दीपक निवासी श्रीनगर कॉलोनी रोहतक ठेके के अंदर पीछे बैठकर शराब को सेवन कर रहे थे। अनुज के पास विनय निवासी बोहर आकर बैठ गया। उसी समय तीन युवक हथियारों सहित शराब ठेके के अंदर आए। युवक शराब ठेके के अंदर गए व गोलिया चलानी शुरु कर दी। यतीन युवकों दोबारा से ठेके मे अंदर की तरफ जाकर तोड़फोड़ की। तीनों युवकों गोलिया चलाते हुए मौके से फरार हो गए।

जीडी गोयन्का टोडलर हाउस में स्कॉलरशिप और फ्री हेल्थकेयर कैम्प आज

रोहतक। सनसिटी सेक्टर 36 स्थित जीडी गोयन्का टोडलर हाउस में स्कॉलरशिप और फ्री हेल्थ चेकउप कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। स्कॉलरशिप परीक्षा देकर विद्यार्थी 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप पा सकते हैं। साथ ही रविवार को स्कूल में फ्री हेल्थ चेकउप कैम्प का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शहर के जाने माने डॉक्टर जेपी अरोड़ा जी एवं डेंटिस्ट डॉक्टर सोनिया अरोड़ा बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी। स्कूल डायरेक्टर बलराज सिंह एवं प्रिंसिपल अनामिका बल्हारा ने बताया कि स्कॉलरशिप परीक्षा बच्चों के बढ़ते हुए रूझान को देखते हुए रखी गई है। जिसमे हमें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और हेल्थ चेकउप कैम्प में निःशुल्क संपूर्ण जांच की जाएंगी

हाईकोर्ट के इंस्पेक्टिंग जज विकास बहल का 2 दिवसीय निरीक्षण संपन्न

- वकीलों के प्रतिनिधिमंडल से अलग-अलग मुलाकात की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के इंस्पेक्टिंग जज विकास बहल का 2 दिवसीय निरीक्षण शनिवार को संपन्न हो गया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कोर्ट परिसर का दौरा किया और वकीलों के प्रतिनिधिमंडल से अलग-अलग मुलाकात की। वकीलों ने अपनी समस्याएं हाईकोर्ट के इंस्पेक्टिंग जज के सामने रखी। हाईकोर्ट के जज ने यहां कार्यप्रणाली समीक्षा की। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कलसन, बार काउंसिल ऑफ पंजाब एवं हरियाणा के चेयरमैन डा. विजेंद्र अहलावत, जिला बार एसोसिएशन के निवर्तमान महासचिव दीपक हुड्डा, निवर्तमान उपाध्यक्ष हर्षवर्धन मलिक, निवर्तमान संयुक्त सचिव सुशीला देशवाल, निवर्तमान लाइब्रेरी इंचार्ज विश्वदीपक भारद्वाज, बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी वरिष्ठ वकील गूगन सिंह, अन्य वकील एवं स्थानीय जज मौजूद रहे। इससे पूर्व महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी परिसर स्थित फैकल्टी हाउस पहुंचने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के इंस्पेक्टिंग जज का निवर्तमान महासचिव दीपक हुड्डा की अगुवाई में वकीलों ने स्वागत किया।

रोहतक। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के इंस्पेक्टिंग जज विकास का स्वागत करते हुए निवर्तमान महासचिव दीपक हुड्डा व अन्य वरिष्ठ वकील।

विद्यार्थियों ने खेलों में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोहतक। जीआर किड्स कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। प्रधानाचार्य सविता बुधवार ने विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल निदेशक अमित, प्रधानाचार्य सविता, अध्यापिका रिचा, सीमा, काजल, रीना, मंजू, अक्षिता, हिना, विशिका, सुरेन्द्र, दीपक, पंकज आदि मौजूद रहे।

नेकीराम कॉलेज में फाग महोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में फागमहोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रभारी एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. दिनेश सिंह ने महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ लोकेश बलहारा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से महाविद्यालय परिवार में भाईचारे और एकजुटता की भावना पैदा होती है। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। मंच संचालन डॉ संदीप शर्मा ने किया। डॉ शौकीना ने महोत्सव के दौरान सभी प्राध्यापकों के लिए अलग-अलग खेल प्रतियोगिताएं रखी, जिसमें सभी प्राध्यापकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। खेल प्रतियोगिताओं का सभी ने बहुत आनंद उठाया। खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने गीत, नृत्य, और कविताओं की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी।

- प्राध्यापकों के लिए अलग-अलग खेल प्रतियोगिताएं रखी

क्रिकेट प्रतियोगिता में सुनील सुतवाल की टीम जीती

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित एमडीयू एम्पलाइज की वार्षिक क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में शनिवार को सुनील सुतवाल की टीम एक रन से विजेता बनी। इस दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में कप्तान राजकुमार की टीम रनर अप रही। एमडीयू नॉन टीचिंग एम्पलाइज एसोसिएशन के प्रधान अनिल मल्होत्रा, महासचिव अजमेर सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों विजेता और उप विजेता टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छह टीमों को भी बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

सत जींदा कल्याणा कॉलेज में महिला दिवस पर हुई स्लोगन लेखन स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सत जींदा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर में शनिवार को महिला प्रकोष्ठ एवं एनसीसी यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम स्थान प्रियंका ने द्वितीय स्थान पूजा ने व तृतीय स्थान एकता ने प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को डॉ. रितूलाल ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया और कहा कि जिन प्रतिभागियों को पुरस्कार नहीं मिला, उन्हें भी निराश नहीं होना चाहिए व निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन महिला प्रकोष्ठ सेल की संयोजिका डॉ. सुमन एवं एएनओ (डॉ.) विकास कुमार के कुशल निर्देशन में किया गया। डॉ. विकास कुमार ने विद्यार्थियों को महिला कानूनों की वैधानिक जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम में विशेष सहयोग डॉ. पायल व डॉ. चेतना का रहा। इस अवसर पर उर्मिला दलाल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'सेलीब्रेटिंग शी पावर' कार्यक्रम का आयोजन

पुरुषवादी मानसिकता में बदलाव की जरूरत : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्व विद्यालय (मदवि) में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में सेलीब्रेटिंग शी पावर (नारी शक्ति का उत्सव) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मदवि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम महिलाओं से सुरक्षित माहौल प्रदान करें। जिससे कि वे आगे बढ़े और जीवन लक्ष्य प्राप्त करें। कुलपति ने संकीर्ण, पुरुषवादी मानसिकता में बदलाव की वकालत की। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की कुंजी है। जरूरत है कि विकास के समान अवसर हम महिलाओं को मुहैया करवाएं।

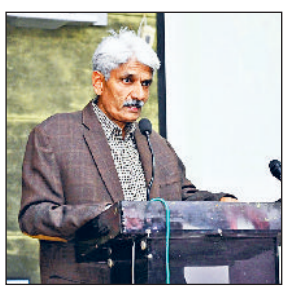

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व मौजूद प्राध्यापक व एनएसएस के गर्ल्स वॉलिंटियर्स

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर सेलीब्रेटिंग शी पॉवर व्याख्यान माला आयोजित करने की घोषणा की। इस लेक्चर सीरीज के तहत प्रतिष्ठित अचीवर महिलाओं को एमडीयू में आमंत्रित किया जाएगा, ताकि इनके प्रेरणादायी व्याख्यान से विश्वविधालय की छात्राएं प्रेरित हो। उन्होंने परिसर में गर्ल्स स्पोर्टस हॉस्टल निर्मित किए जाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि एमडीयू नारी सम्मान तथा महिना सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमडीयू के महिला अध्ययन केन्द्र निदेशक प्रो. शालिनी सिंह ने अंतर्राष्ट्रय महिला दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला अधिकारों को सुनिश्चित करना, उनमें भावनात्मक बल विकसित करने तथा उन को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रयास की आवश्यकता है, एमडीयू महिला अध्ययन केन्द्र इस दिशा में कार्य करेगा।

जमीनी हकीकत बताता है लैंगिक भेदभाव

विशिष्टवक्ता डॉ. सीमा (डीएलसी सुपवा, रोहतक निदेशक, महिला प्रकोष्ठ ने कहा कि जमीनी हकीकत बताता है कि समाज में लैंगिक भेदभाव है। ऐसे मे शुरूआत घर से होनी चाहिए जहां होम मेकर गृहणी का सम्मान हो तथा अभिभावकों की काउंसलिंग हो, ताकि लड़का-लड़की में भेद न करें। इस लड़का-लड़की की तुलना करने की मानसिक सोच को भी बदलने की जरूरत है, ऐसा उनका मानना था। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम समानविका डॉ. शशि रश्मि ने किया. मंच संचालन शोधार्थी अजय ने किया।

ये रहे मौजूद : सीआरएसआई-स्वराज सदन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलसचिव डा. कृष्णकांत, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा, डीन सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा, महिला अधिकार एक्टिविस्ट एवं प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस सुनील जागलान, निदेशक सीआरएसआई प्रोफेसर संदीप मलिक, विभागाधक्ष, प्राध्यापकगणन, एनएसएस के गर्ल्स वॉलिंटियर्स की उपस्थिति रही।

महिलाओ में सामंजस्यपूर्ण संबंध जरूरी

विशिष्ट वक्ता गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी हिसार की डा. सुमन बहमनी ने लैंगिक समानता तथा लैंगिक सशक्तीकरण में मनोवैज्ञानिक पहल की चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाओ में सामंजस्यपूर्ण संबंध जरूरी है।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

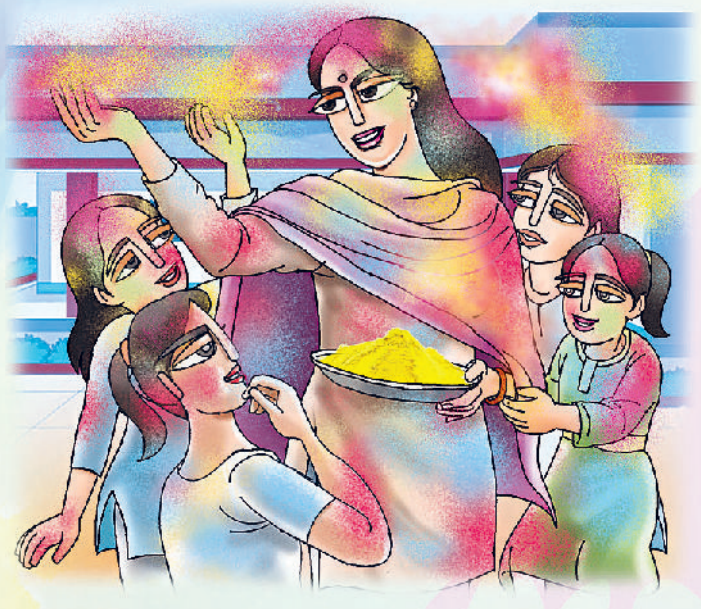

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से त्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग केलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

आदिवासियों की होली में मेहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियां पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

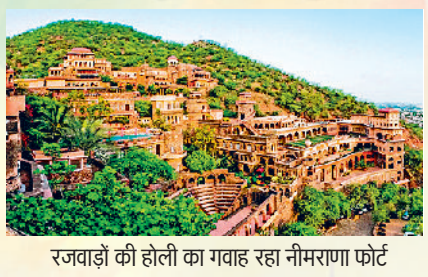

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

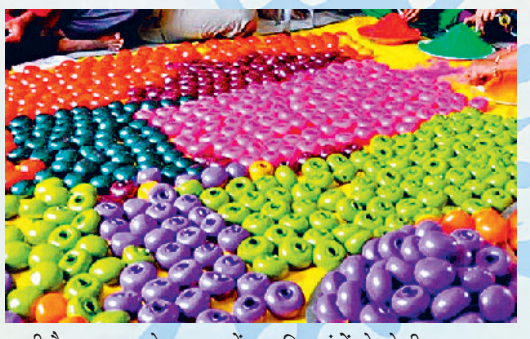

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर

विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकारों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *